संगम-गौरवपूर्ण वृद्धावस्था और सम्मानित जीवन हमारी संस्कृति - केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार

आबू रोड-शान्तिवन(राज.)। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने ब्रह्माकुमारीज़ के समाजसेवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे 'संगम- गौरवपूर्ण वृद्धावस्था और सम्मानित जीवन' अभियान का राजस्थान राज्य स्तरीय शुभारंभ किया गया। इसमें देशभर से आये पांच हजार से अधिक लोग मौजूद रहे। अभियान के तहत पूरे राजस्थान में वृद्धाश्रम, समाजसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों के माध्यम से आमजन को जोड़कर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यालय शांतिवन के डायमंड हॉल में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ. कुमार ने कहा कि बुजुर्गों के लिए सुख-सुविधाओं से ज़्यादा आवश्यकता उन्हें अपने बेटों-बेटियों, बहुओं और नाती-पोतों के आत्मीयता की है। उनके हाथ में जब अपने बच्चों का हाथ स्पर्श करता है तो उसे किसी भौतिक सुख-सुविधाओं से नहीं मापा जा सकता है। डॉ. कुमार ने कहा कि संगम का अर्थ होता है- अनुभव और पीढ़ियों का मिलन। इस अभियान के माध्यम से ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने समाज के सबसे संवेदनशील पहलू को न केवल स्पर्श किया है, बल्कि संवेदनशीलता के साथ वरिष्ठ नागरिकों को जोड़ने का कार्य किया यह अपने आप

> » केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने किया संगम- गौरवपूर्ण वृद्धावस्था और सम्मानित जीवन अभियान का राजस्थान राज्य स्तरीय शुभारंभ
> » समाजसेवा प्रभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के बीच तीन साल के लिए हुआ एमओयू साइन
> » वृद्धाश्रम, समाजसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों के माध्यम से आमजन को जोड़कर किए जाएंगे कार्यक्रम
> » अभियान के तहत अब तक पूरे भारत में 1000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित

में बहुत बड़ा उदाहरण है। जालोर,सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी ने कहा कि आज यह जो अभियान शुरू किया जा रहा है हमें आशा है कि इससे समाज को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा समाज के सभी वर्ग के लिए अनेक कल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं। महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि घर के बड़े-बुजुर्ग अपना समय ज़्यादा से ज़्यादा ईश्वर की याद में लगाएं इससे पूरे परिवार को छत्रछाया मिलती रहेगी और जीवन सुखमय बन जाएगा। संयुक्त मुख्य प्रशासिका व समाजसेवा प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि जीवन को समाजसेवा में लगाएं और देने का भाव रखेंगे तो कभी बुजुर्ग नहीं होंगे। ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि गौरवपूर्ण वृद्धावस्था को स्वीकार करने के लिए जरूरी है कि हम सभी को प्यार दें, आशीर्वाद और दुआ दें। जयपुर सबज़ोन प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी ने भी अपने विचार रखे। **केंद्रीय मंत्री ने किया ओल्ड एज होम और सोलार का अवलोकन** – केंद्रीय मंत्री डॉ. कुमार ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा संचालित ओल्ड एज होम तथा सोलर प्लांट का भी अवलोकन किया। उन्होंने वहाँ की व्यवस्थाएं, साफ-सफाई, मैनेजमेंट, लोगों की आत्मीयता देखकर इसे आदर्श वृद्धाश्रम बताया। मंच संचालन ओआरसी की ब्र.कु. विधात्री व आभार व्यक्त ब्र.कु. बीरेंद्र ने किया।

हिसार में हुआ आयुर्वेदिक चिकित्सकों का महासम्मेलन

हिसार-हरियाणा। हरियाणा प्रदेश आयुर्वेद सम्मेलन तथा अखिल भारतीय आयुर्वेद सम्मेलन के सौजन्य से ब्रह्माकुमारीज़ पीस पैलेस, बालसमंद रोड, हिसार में एक भव्य सीएमई(कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में पूरे हरियाणा प्रदेश से 1020 आयुर्वेद चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. मोनिका बांगा ने अपना आध्यात्मिक अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे पिछले कई वर्षों से ब्रह्माकुमारीज़ संस्था से जुड़ी हुई हैं। यहाँ प्राप्त होने वाले गहन आध्यात्मिक ज्ञान को उन्होंने अपने जीवन में अपनाया है, जिसके परिणामस्वरूप उनके व्यक्तित्व, स्वर्णिम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समय को पहचानिए, आयुर्वेद के साथ-साथ आध्यात्मिकता को भी जीवन में अपनाइए और अपने जीवन को महान बनाइए।

आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों ने राजयोगिनी ब्र.कु. रमेश कुमारी दीदी और उनकी पूरी टीम का हृदय से धन्यवाद किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. राकेश शर्मा,अध्यक्ष,अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन, डॉ. दिनेश अग्रवाल,चेयरमैन,भारतीय चिकित्सा परिषद,हरियाणा, डॉ. दिनेश शर्मा, रजिस्ट्रार,सीआईएम,हरियाणा, डॉ. अश्विनी गौतम,अध्यक्ष,हरियाणा प्रदेश आयुर्वेद सम्मेलन, वैद्य तारा

विचारों और जीवन-दृष्टि में असाधारण सकारात्मक परिवर्तन आए हैं। उन्होंने कहा कि राजयोग और आध्यात्मिक ज्ञान जीवन को संतुलित, शांति-पूर्ण और उद्देश्यपूर्ण बनाने में अद्भुत भूमिका निभाता है। क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. रमेश कुमारी दीदी ने कहा कि शरीर की बीमारी से पहले मन की बीमारी आती है, और मन की कमज़ोरी ही शारीरिक रोगों को जन्म देती है। उन्होंने सभी आयुर्वेद चिकित्सकों को उनका स्वाभिमान याद दिलाते हुए कहा कि आप सभी भारत को फिर से चंद शर्मा,सुप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य एवं लेखक, डॉ. धरमपाल,जिला आयुर्वेदिक अधिकारी, डॉ. सुरेंद्र सिहाग,हेड,हरियाणा प्रदेश आयुर्वेद सम्मेलन,हिसार, डॉ. घनश्याम प्राचार,जिला महासचिव, डॉ. नकुल शर्मा,कोषाध्यक्ष की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं चिकित्सकों ने आयुर्वेद एवं अध्यात्म के समन्वित प्रयासों से समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और निरोगी भारत-स्वर्णिम भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

श्रेष्ठ संकल्पों से बनेगा स्वर्णिम संसार

बैतूल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के भाग्यविधाता भवन में 'सकारात्मक सोच का विज्ञान' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में राजयोगी ब्र.कु. सूरज,माउंट आबू ने कहा कि सकारात्मक सोच कोई कल्पना नहीं, बल्कि आत्मा की मौलिक अवस्था है और हमारे विचार प्रकृति और हमारे भविष्य दोनों को प्रभावित करते हैं। जैसे हर बीज में वृक्ष की संभावना छिपी होती है, वैसे ही हर विचार में हमारे भविष्य की परिस्थिति का बीज होता है। हम जैसा सोचते हैं, विचारों को शुद्ध और सशक्त बनाना सीखते हैं। ध्यान से मन स्थिर होता है जिससे सकारात्मक दिशा में कार्य करने की शक्ति मिलती है और उससे जीवन की हर समस्या पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डी डी उइके, बैतूल नगरपालिका अध्यक्ष पार्वती बारस्कर, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, डॉ. मनीष लश्करे, तहसीलदार गोवर्धन पाठे, गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा बैतुल के प्रधान सरबजीत सिंह वालिया सहित शहर के

वैसा अनुभव करते है और वैसे ही जीवन चरित्र का निर्माण होता है और उसी अनुसार हमारा शरीर और प्रकृति प्रभावित होता है। ब्र.कु. गीता,माउंट आबू ने कहा कि राजयोग ध्यान ही वह प्रयोगशाला है जहाँ हम अपने अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मंजू ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद करते हुए सभी को राजयोग मेडिटेशन सीख कर श्रेष्ठ जीवन का निर्माण करने की सलाह दी।

परिवार की दशा से देश की दशा को जान सकते

नागपुर-महा.। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय,जामठा विश्व शांति सरोवर में 'सामाजिक एकता, विश्वास और सद्भावना के निर्माण में महिलाओं की भूमिका' विषय पर राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी,महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ने अपना रशिया का अनुभव सबके साथ साझा करते हुए कहा कि जब दादी जानकी जी रशिया आयी थीं तो कुछ परिवारों से मिलने की इच्छा उन्होंने प्रगट की। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की परिस्थिति को जानना है तो परिवार की दशा से जाना जा सकता है। परिवार का स्नेहमय होना, श्रेष्ठ होना किसी भी देश की बहुत बड़ी पहचान है। एक समय था जो परिवार को गृहस्थ आश्रम कहा जाता था। आश्रम उसको कहा जाता है जहाँ आपस में प्यार-स्नेह की भावना रहती है, पवित्रता, स्वच्छता और सत्य प्रभु की आराधना रहती है। शांति के लिए किसी आश्रम में जाते हैं। परंतु घर को यदि आश्रम बनाएंगे तो घर में पवित्रता, सुख, शांति, खुशी रहेगी। पहले के ज़माने में संगठित परिवार जो आपस में मिलजुल कर रहते थे। उन्होंने आगे कहा कि आज परिवार में आपस में प्यार, एकता, संगठित हो जाये तो हमारा देश एकता के बल पर आगे बढ़ सकता है। आज परिवार में एकता और विश्वास लाने की ज़रूरत है। आज कितना भी विज्ञान तरक्की कर ले या यशस्वी होशीयार बच्चे हो, बहुत उसके पास डिग्री या सर्टिफिकेट पास आ जायें परंतु चरित्र के बिना व्यक्ति का कोई मूल्य नहीं। प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका डॉ. सविता दीदी,माउंट आबू व विश्व शांति सरोवर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी दीदी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में ब्र.कु. प्रेमप्रकाश, ब्र.कु. दमयंती दीदी, ब्र.कु. माला दीदी,ज़ोनल कोऑर्डिनेटर,मुंबई, श्रीमती परिणीता फुके,कॉर्पोरेटर,नागपुर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, ब्र.कु. मनीषा दीदी,उपसंचालिका,नागपुर, श्रीमती सविता अजय संचेती,फाउंडर,भक्ति वृंद,फॉर्मर प्रेसिडेंट,महावीर इंटरनेशनल, प्रो. माधुरी चौधरी, एचओडी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, व्हीएनआईटी आदि की उपस्थिति रही।

RNI NO. RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 23th TO 24th Each Month.
स्वामी - आर.ई.आर.एफ., प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नासिंकनी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज, तलहटी, आबू रोड, शांतिवन - (राज.) - 307510
See Latest News login
www.omshantimedia.org